

श्री श्री अरिन्दन टिम्बर ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड

Drinking Water Supply Scheme in Rayadrug and Uravakond Taluks

8702. श्री नाथपाई :
 श्री रामगोपाल शाल बाले :
 श्री हुकम चन्द कछवाय :
 श्री जगन्नाथ राव जोशी :
 श्री श्रींकार लाल बेरबा :
 श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
 श्री क० प्र० सिंह देव :
 श्री बेणी शंकर शर्मा :
 श्री श्री० प्र० त्यागी :
 श्री ह० ला० कौशिक :
 श्री हरदयाल देवगुण :

8703. **Shri P. Antony Reddy:** Will the Minister of Health and Family Planning be pleased to state:

(a) whether any scheme for supplying drinking water for twelve villages of Rayadrug and Uravakond Taluks was sanctioned by the Central Government during 1966-67;

(b) whether Government have allotted funds for executing the work during 1967-68; and

(c) the estimate of the scheme and the amount allotted during the year 1967-68?

नया वित्त मंत्री 13 जुलाई, 1967 के सत्कारांकित प्रश्न संख्या 5489 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मेसर्स अरिन्दन टिम्बर ट्रेडिंग कारपोरेशन (प्राइवेट) लिमिटेड, बम्बई के सम्बन्ध में जांच कब तक पूरी हो जायेगी ; और

(ख) इस जांच के परिणामस्वरूप क्या ज्ञापन प्रकाश में आये हैं ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री श्रीरामजी वेसाई) : (क) वर्ष 1964-65 के बारे में तथा उससे आगे के वर्षों के बारे में जांच-पड़ताल चल रही है और यथासंभव शीघ्र ही पूरी की जायेगी । जिन लेन-देनों की छानबीन होनी है वे संख्या में बहुत ज्यादा हैं, इसलिए यह कहना सम्भव नहीं है कि जांच-पड़ताल को पूरा होने में कितना समय लगेगा ।

(ख) वर्तमान स्थिति में ब्योरे जाहिर कर देने से जांच-पड़ताल की प्रगति में बाधा आयेगी ।

The Deputy Minister in the Ministry of Health and Family Planning (Shri B. S. Murthy): (a) A composite scheme (rural and urban) for providing water supply to Uravakond and 16 villages in District Anantpur estimated to cost Rs. 35 lakhs was technically approved by the Central Public Health Engineering Organisation on the 12th October, 1966, for execution by the State Government under the National Water Supply and Sanitation Programme during the Fourth Five Year Plan. However, it is not known whether any of these villages is in Rayadrug Taluk.

(b) and (c). Provision of drinking water (rural and urban) is mainly the responsibility of the State Governments. They have to provide the necessary funds in their Plans. Assistance under the National Water Supply and Sanitation Programme on the following pattern will be made available to the State Government in accordance with their demand:—

Rural phase of the programme—50 per cent grant-in-aid.

Urban phase of the programme—100 per cent loan.